

3888

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.

25000

पच्चीस हजार रुपये

2009



Rs.

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207930

लेखपत्र का संक्षिप्त विवरण

1. भूमि का प्रकार - कृषि
(कृषि/आवासीय/वाणिज्यिक/औद्योगिक/अन्य)
2. बार्ड परगना डासना
3. मौहल्ला/ग्राम - ग्राम नायफल
4. सम्पत्ति का विवरण (सम्पत्ति नम्बर) खाता नं० 34 के खसरा नं० 347 व खसरा नं० 345
- 5- मापन की इकाई (हेक्टेयर/वर्ग मीटर) हेक्टेयर

Handwritten signature/initials

For Upal Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

Handwritten signature

Authorized Signatory

विक्रय पत्र

5,844,955.00/ 5,844,955.00

5,000.00

60

5,060.00

3,000

फीस रजिस्ट्री

नकल व प्रति शुल्क

योग

शब्द लगभग

पतिफल पालियत

श्री/श्रीमती श्री 0 उषल चवड़ा हाईटेक डवलपर्स द्वारा दीपक पाठक
पुत्र/पत्नी श्री अश्वदत्त पाठक PAN-AAACU7200M

पेशा व्यापार

निवासी 33 कम्यूनिटी सेंटर नई दिल्ली

अस्थायी पता

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय दिनांक 30/9/2009 समय 10:17PM

दले निबन्धन हेतु पेश किया।



[Signature]
रसो के 0 सिंह
उप निबन्धक (प्रथम)
गाजियाबाद

30/9/2009

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमून व प्राप्त धनराशि रु. इलेक्ट्रानुसार रुकत

दिकेता

श्री/श्रीमती वन्दप्रकाश

पुत्र/पत्नी श्री चूरत सिंह

पेशा अन्य

निवासी 310 दुर्गाई गं सु 0 नगर



क्रेता

श्री/श्रीमती श्री 0 उषल चवड़ा हाईटेक डवलपर्स द्वारा
दीपक पाठक

पुत्र/पत्नी श्री अश्वदत्त पाठक

PAN-AAACU7200M

पेशा व्यापार

निवासी 33 कम्यूनिटी सेंटर नई दिल्ली



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207929

(2)

- 6- सम्पत्ति का क्षेत्रफल 0.543166 हैक्टेयर
- 7- सड़क की स्थिति (परिशिष्ट के अनुसार) 200 मीटर से अधिक
- 8- अन्य विवरण (9 मीटर रोड/ कार्नेर इत्यादि) N.A
9. सम्पत्ति का प्रकार भूमि कृषि
10. प्रतिफल की धनराशि 58,44,955/-रुपये
- 11- पेड कुँआ नलकूप व बोरिंग व आबादी नहीं है

च-३३४२१

Per Usual Chaudha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.


Authorized Signature



ने निष्पादन स्वीकार किया ।

निष्पादक परमाण्वीय धितेक धामर

पुनः धी सुनेन्द्र सिंह

धितेक धामर

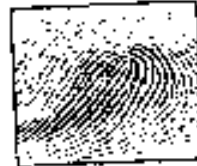
निष्पादक नं० 262 लखनौ धी० हाईकोर्ट दिल्ली

धितेक धामर जयवीर

पुनः धी लक्ष्मण सिंह

धितेक धामर अन्य

निष्पादक ए-54 सुनेन्द्र एन्क गा०बाद




प्रमाण के० सिंह
उप निबन्धक (प्रथम)

गाजियाबाद

30/9/2009

74

निष्पादक

नियमानुसार निवेदन किया गया है।

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.

25000

पच्चीस हजार रुपये

Rs.

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207928

(3)

प्रथम पक्ष की संख्या (1)

द्वितीय पक्ष की संख्या (1)

विक्रेता का विवरण:-

नाम : चन्द्रप्रकाश

पिता का नाम : श्री सूरत सिंह

स्थायी पता : ग्राम दुरवाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर

व्यवसाय

चन्द्रप्रकाश

For Umesh Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

Authorised Signatory



विक्रेता

Registration No 3808

Year : 2009

Book No. 1

0101

वन्दप्रकाश

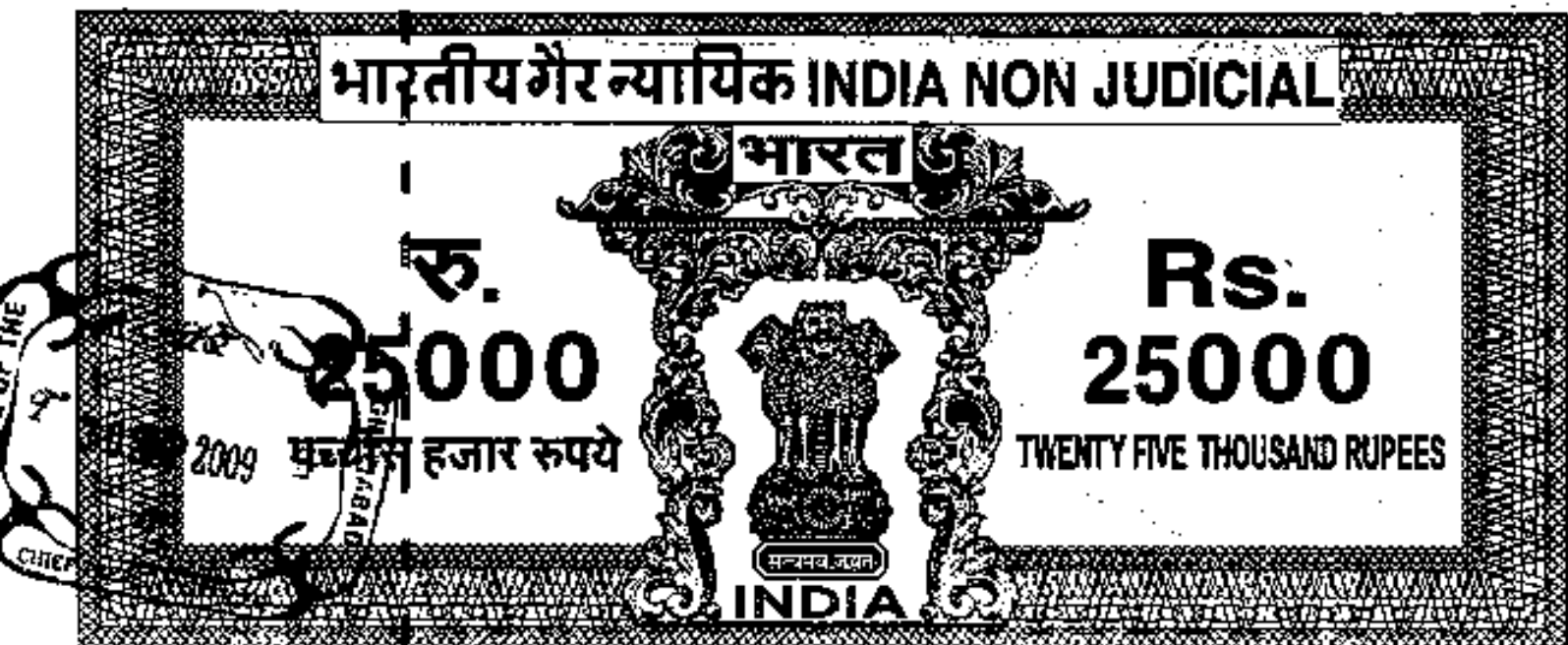
4-595/4

पुस्तक

प्रा० दुर्गादेवी श्री बु० नगर

अन्य





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207927

(4)

क्रेता का विवरण:-

1. नाम : मैसर्स उषल चन्द्रा हाई टेक डेवलपर्स प्रा० लि० द्वारा श्री दीपक पाठक

पिता का नाम : श्री अम्बादत्त पाठक

स्थायी पता : 33, कम्युनिटी सेंटर न्यू फैंडस कालौनी नई दिल्ली

व्यवसाय :

च-हस्ताक्षर

For Usual Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd

[Signature]
Authorized Signatory



क्रमा

Registration No. 3808

Year: 2009

Book No. 1

0201 श्री लखन चन्दन हाईटेक डायलर्स द्वारा दीपक पाठक
अम्बाला जिला 2018 AAACU72COM
33 अम्बाला रीटर्न नई दिल्ली
[Signature]



भारतीयोंर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत



रु.

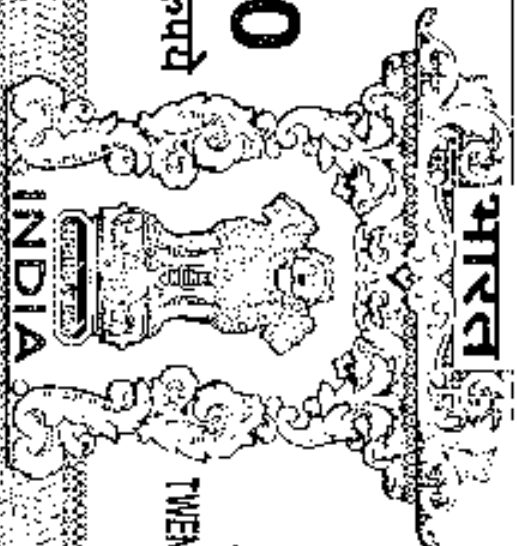
25000

पुञ्जी हजार रूपये

RS.

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207922

(5)

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र संकन : 58,44,955/ रूपये ।
मुद्राम पत्र संकन : 4,09,200/ रूपये ।

कि चन्द्रप्रकाश पुत्र श्री सूरत सिंह निवासी-ग्राम दुरवाई परगना व
बुधसोल दादरी जिला गौतमबुद्धनगर (फरीक अव्वल /विकेता) ।

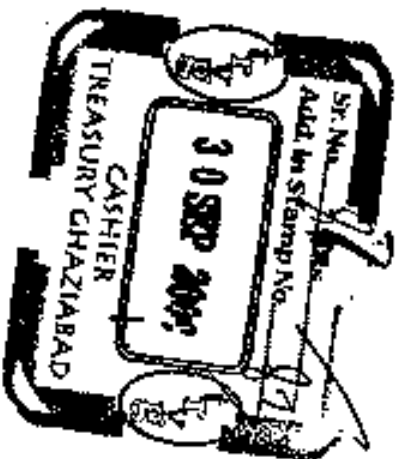
दीनदत्त

For Upward Chaudhri Hail and Dharmacharya Pr. H.

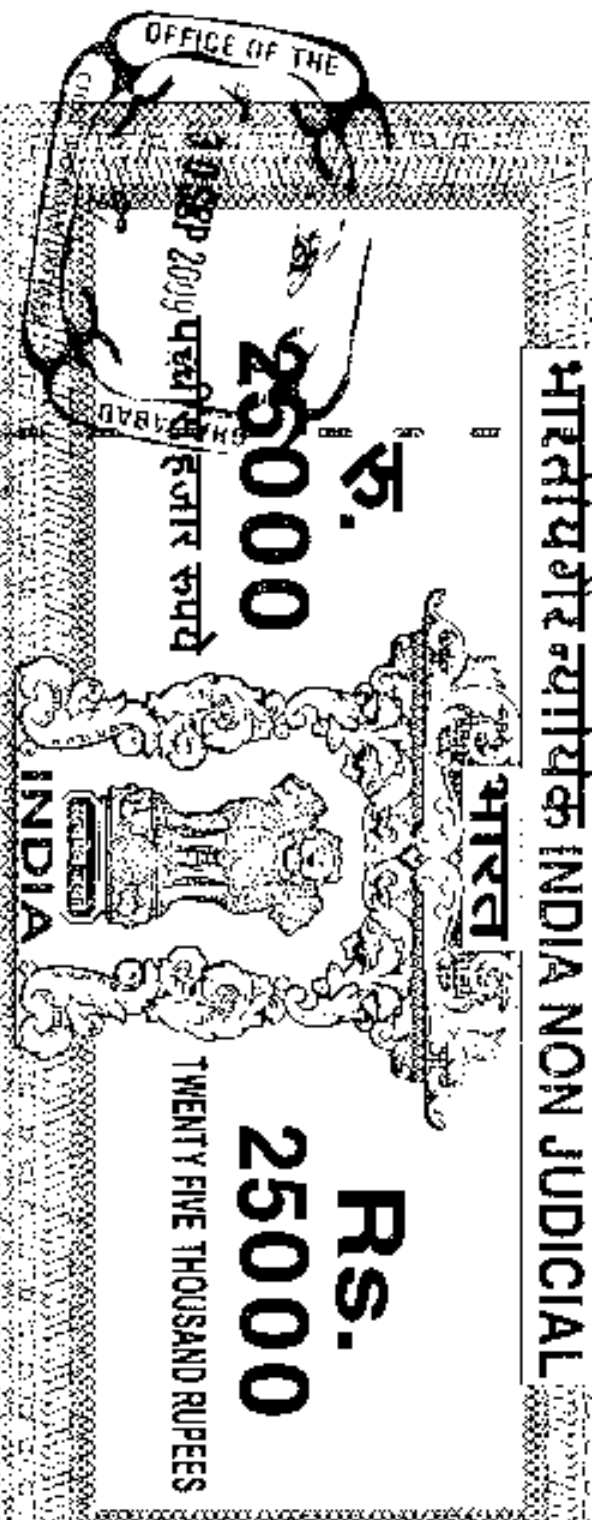
Authorised Signatory

Authorised Signatory





भारतीय न्यायिक INDIA NON JUDICIAL



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 20792Z

(6)

एवम

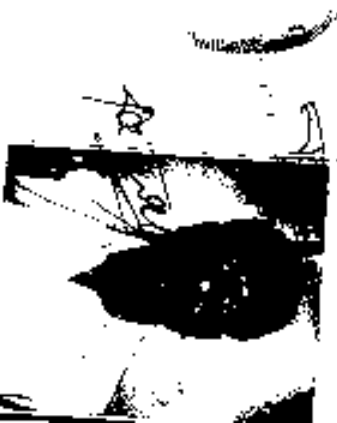
संसद उच्चतम न्यायालय द्वारा एक डेबलपर्स प्रो लियो पंजीकृत कार्यालय 33, गणपति नगर न्यू फ्रेंड्स कालोनी नई दिल्ली द्वारा श्री दीपक पाठक पुत्र श्री अम्बादल पाठक, निवासी-33, कपयुनिटी सेंटर न्यू फ्रेंड्स कालोनी नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरों (फरीक दोयम/क्रेता) ।

रु. 25000

For Usual Chaudhary H. T. 2008 Development 1708, 1808

Authorized Signature

Authorized Signature



Sr. No. 80
Add. In Stamp No. 277
30 SEP 2009
CASHIER
TREASURY CHAZIABAD

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.

25000

25000 पच्चीस हजार रुपये

भारत



INDIA

Rs.

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207924

(7)

विक्रीत भूमि का विवरण

(1) स्थित ग्राम नायफल परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद (उ०प्र०), कृषि भूमि खाता नं० 34 के खसरा नं० 347 रकबई 3.2330 हैक्टेयर का 1/6 भाग रकबई 0.538833 हैक्टेयर व खसरा नं० 345 रकबई 0.0260 हैक्टेयर का 1/6 भाग रकबई 0.004333 हैक्टेयर कुल रकबई 0.543166 हैक्टेयर का प्रथम पक्ष विक्रेता विक्रेता अनुसार खतौनी 1416-1421 फसली फरीक अव्वल (विक्रेता) पूर्णतया स्वामी व विक्रय अधिकारी, बतौर संक्रमणीय भूमिधर कागजात दर्ज है, का बेनामा हाजा में विक्रय किया जा रहा है।

[Handwritten Signature]

For Omel Chadda Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

[Handwritten Signature]
Authorized Signatory



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.

25000

SEP 2009

पच्चीस हजार रुपये

भारत



INDIA

Rs.

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207923

(8)

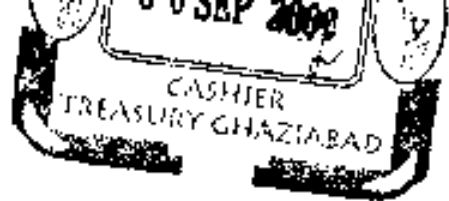
(2) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है। जो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लिंक मार्ग पर स्थित नहीं है। भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 500 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है तथा संक्रमणीय भूमिधरी की भूमि है। विक्रय भूमि के चारों ओर 200 मीटर से अधिक तक कृषि कार्य हो रहा है। जिसका सरकारी सर्किल रेट 98,84,000/-रुपये प्रति हैक्टेयर है लेकिन प्रथम पक्ष ने सौदा द्वितीय पक्ष से रु० 1,07,60,869.56 प्रति हैक्टेयर की दर से अंकन 58,44,955/-रुपये (अट्ठावन लाख चक्कालीस हजार नौ सौ पचपन रुपये मात्र) में तय है और सरकारी स्टाम्प क्रय मूल्य पर ही अदा किया गया है।

चक्रवर्ती

For Upmal Chadha Hi-Tech Enterprises Pvt. Ltd.

Upmal

Authorized Signatory



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.

25000

पच्चीस हजार रुपये

Rs.

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207922

(9)

(3) विक्रेता अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से नहीं है। विक्रीत भूमि ग्राम समाज, भूदान, वनफ, पट्टे आदि की तथा निष्क्रान्ति व शत्रु संपत्ति नहीं है और न ही इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद है विक्रीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय में स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(1) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है।

(4) विक्रेता ने विक्रीत भूमि का प्रमाणित खसरा, खतौनी, भी विक्रय पत्र के साथ संलग्न किया है।

For Usual Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd

[Signature]
Authorized Signatory



CASHIER
TREASURY GHAZIABAD

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.

25000

पच्चीस हजार रुपये

Rs.

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207921

(10)

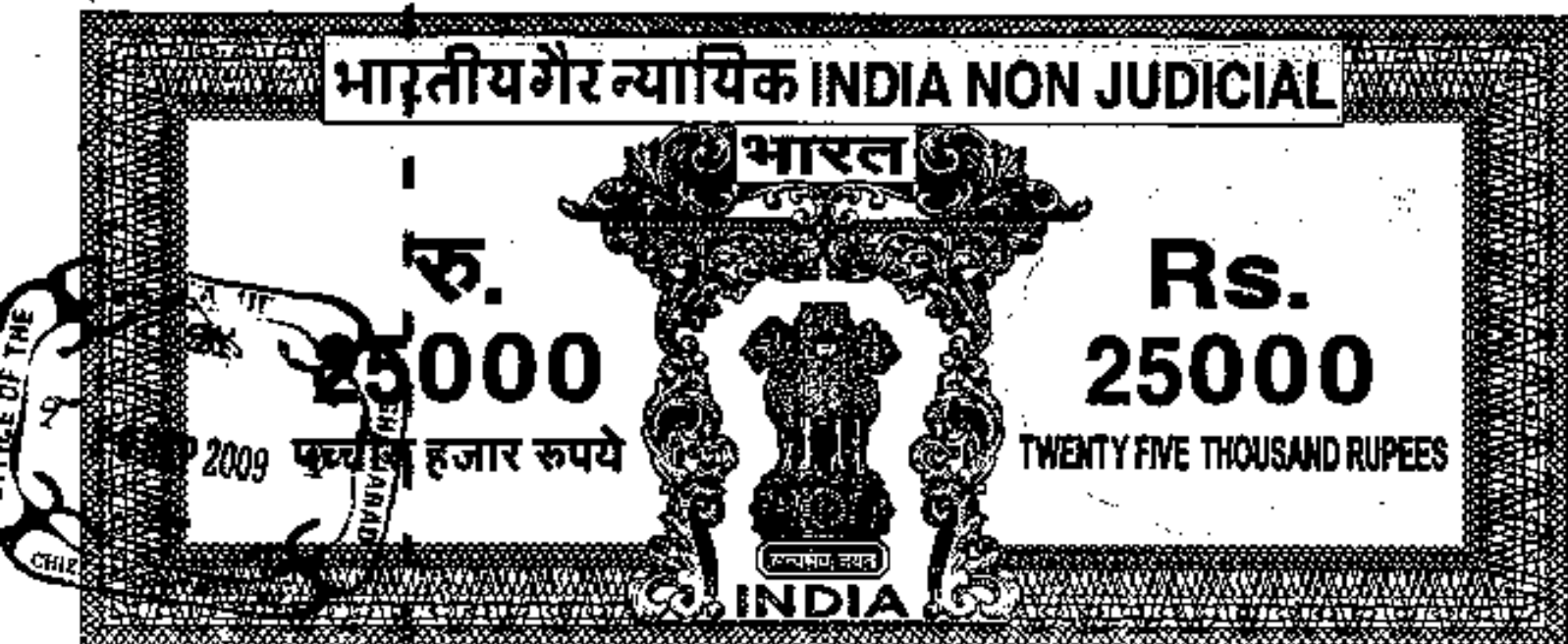
(5) विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ फरीक अव्वल (विक्रेता) की ओर से हर प्रकार के बन्धक, भार व सरकारी देनदारी आदि से मुक्त है। कहीं अन्य जगह आड, रहन, बय, हिवै, महायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्ध सरकारी व निजी रूप आदि में ग्रस्त नहीं है। और न उक्त पर कोई बैंक ऋण व बिजली या अन्य किसी प्रकार का ड्यूज है। इस विक्रय भूमि में संबंधित किसी भी प्रकार का विवाद-ग्रस्त मामला किसी भी न्यायालय व सरकारी व अर्द्धसरकारी विभाग/कार्यालय में न तो दर्ज है और न ही लम्बित है। और न ही किसी निर्णित आदेश का क्रियान्वन ही लम्बित है।

यन्त्रधार

For Ompr Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

Ompr Chadha
Authorized Signatory





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207920

(11)

(6) विक्रीत मिल्कियत उक्त के विक्रय मे कोई दोष व त्रुटि नही है हर प्रकार के वाद विवाद से मुक्त है उपरोक्त वर्णित / उल्लिखित भूमि के संबंध मे मुझ विक्रेता ने किसी अन्य व्यक्ति, कम्पनी आदि के हक मे कोई मौखिक करार, वसीयतनामा व विक्रय अनुबंध-पत्र, विक्रय पत्र, किसी भी कार्यालय मे पंजीकृत व अपंजीकृत, पूर्व मे न तो निष्पादित किया है और न ही कराया है और न ही कही नोटरी द्वारा सत्यापित हुआ है। यदि भविष्य मे इस संबंध मे कोई भी वसीयतनामा, विक्रय अनुबंध/विक्रय पत्र प्रस्तुत करके विवाद उत्पन्न किया जाता है तो वह विवाद अमान्य व निष्प्रभावी होगा। तथा इसके बिम्बेदार फरीक अव्वल व उनके वारिसान होग

चन्द्रशेखर

For Upul Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

Authorised Signatory



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.
25000

Rs.
25000

2009 पक्षीस हजार रुपये

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207919

(12)

(7) मुझ विक्रेता को विक्रय पत्र मे वर्णित उक्त खाता नं० 34 के खसरा नं० 347 रकबई 3.2330 हैक्टेयर का 1/6 भाग रकबई 0.538833 हैक्टेयर व खसरा नं० 345 रकबई 0.0260 हैक्टेयर का 1/6 भाग रकबई 0.004333 हैक्टेयर कुल रकबई 0.543166 हैक्टेयर स्थित ग्राम नायफल परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद उसके अपने हिस्से के पूरा भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णतः प्राप्त है। मुझ विक्रेता को वास्ते तरक्की काश्त एवं अन्य निजी आवश्यकता हेतु पैसों की आवश्यकता

चन्द्रशेखर

for Usual Chadha Hi-Tech Downers Pvt. Ltd.

for Usual

4th Floor, Gurgaon



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.
25000

Rs.
25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207918

(13)

है तथा मुझे अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत क्रेता से मिल रही है।
अतः मुझ विक्रेता ने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के,
परजामंदी, शुद्ध बुद्धि व स्वस्थ इन्द्रियों की दशा में अपने पारिवारिक सहमति
से मय समस्त अधिकार मालिकाना, काबिजाना, दाखिली-खारिजी, काश्त
भराई, हर किस्म कब्जा गर्ज के जो कुछ भी अधिकार मुझ विक्रेता को
विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नहीं रहा है आदि आदि
को आज की तारीख में विक्रय धनराशी अंकन-58,44,955/-रुपये (अट्ठावन
लाख चप्पालीस हजार नौ सौ पचपन रुपये मात्र) जिसके आधे

चन्द्र चन्द

For Usual Chodha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

Authorized Signature



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.

25000

पच्चीस हजार रुपये

Rs.

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207917

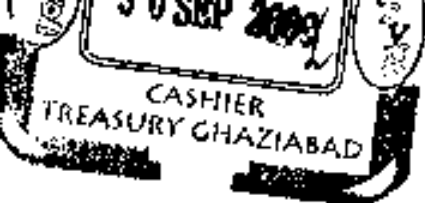
(14)

अंकन-29,22,477.50/-रुपये(उन्तीस लाख बाईस हजार चार सौ सतहत्तर रुपये पचास पैसे मात्र) होते हैं के एवज में बहाथ फरीक दोयम क्रेता उपरोक्त मैसर्स उप्पल चढ्ढा हाई टेक डेवलपर्स प्रा० लि० पंजीकृत कार्यालय 33, कम्युनिटी सेंटर न्यू फ्रेंड्स कालोनी नई दिल्ली द्वारा श्री दीपक पाठक पुत्र श्री अम्बादत्त पाठक, निवासी-33, कम्युनिटी सेंटर न्यू

चन्द्रेश्वर

For Umesh Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

Authorized Signatory



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.

25000

पच्चीस हजार रुपये

Rs.

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 207916

(15)

फ्रेन्ड्स कालौनी नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष को बेच कर दिया है यानि कतई बेच दिया है और भूमि की कुल विक्रय धनराशि मुझ विक्रेता ने क्रेता से प्राप्त कर लिया है। अब कुछ भी विक्रय धनराशि बाकी नहीं रही है।

पञ्चदश

For Usual Chodha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

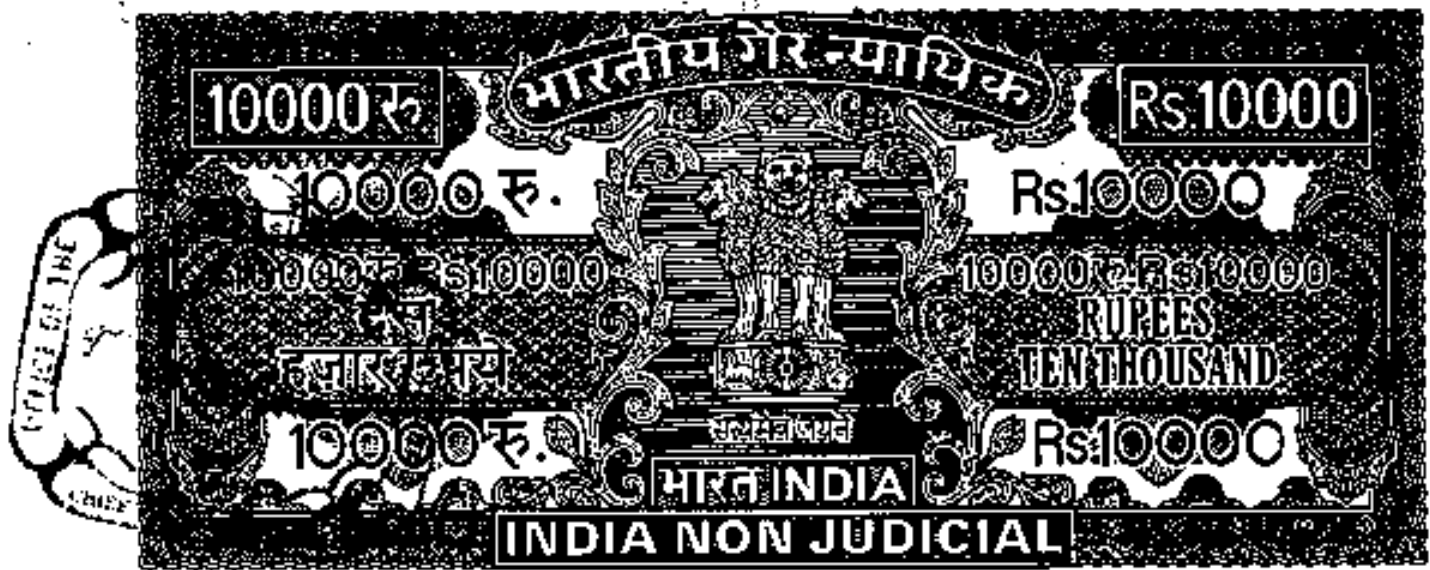
[Signature]
Authorized Signatory



30 SEP 2009

CASHIER

TREASURY GHAZIABAD



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

161598

(16)

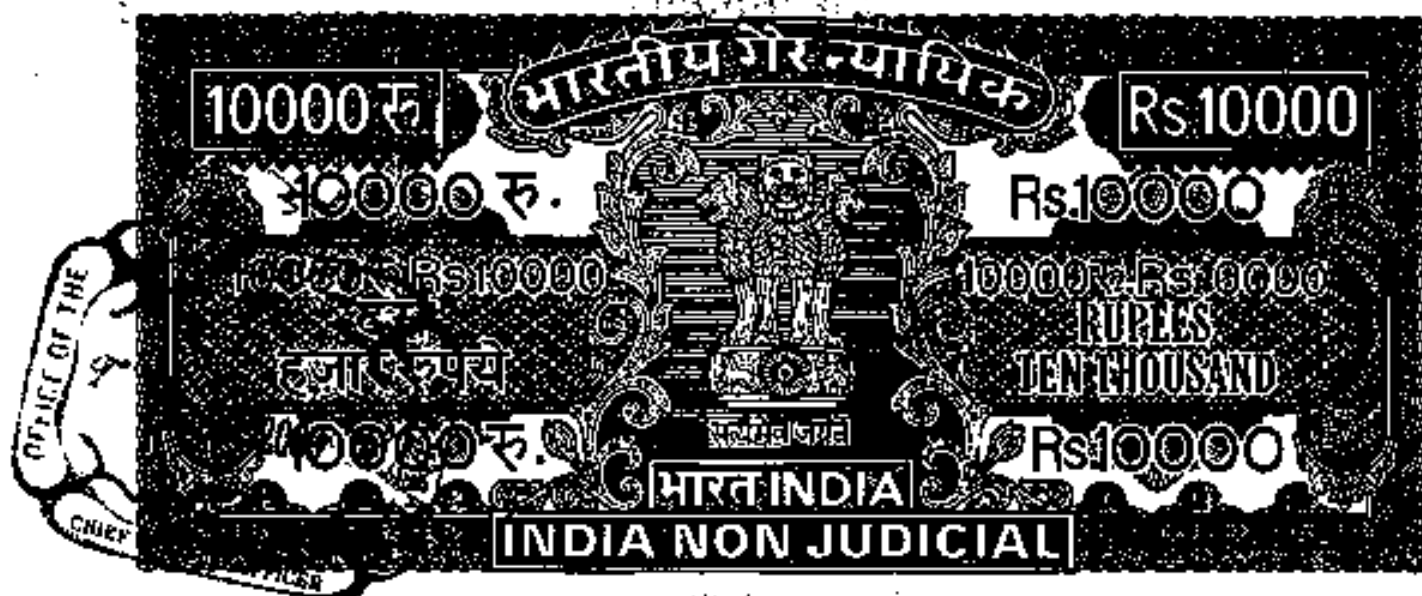
(3) विक्रय भूमि का कब्जा मौके पर क्रेता का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया है जिसके क्रेता पूर्णतः मालिक काबिज दाखिल बन गये हैं उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि को जिस प्रकार चाहे बहसियत मालकाना प्रयोग में लावे।

for Dinesh Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd

चन्द्रकाश

[Signature]
Authorized Signatory

CASHIER &
TREASURY GHAZIABAD



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

161597

(17)

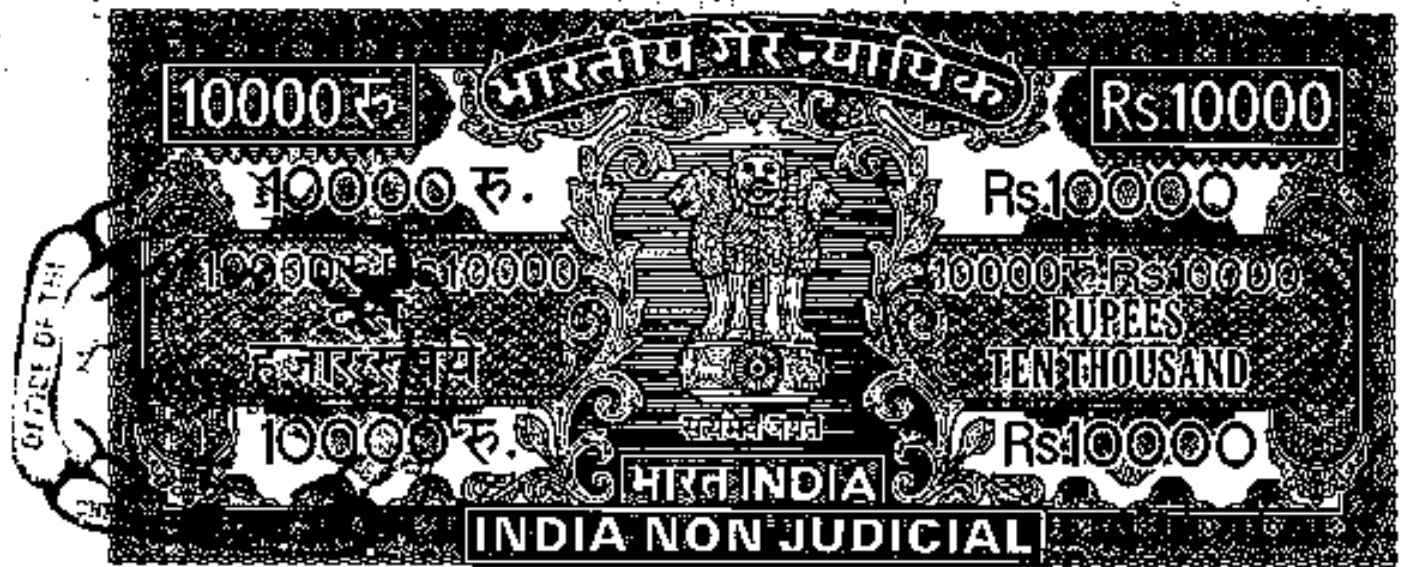
(9) विक्रेता, विक्रीत भूमि के बाबत समस्त कागजात में बजरिये बानामा दाखिल खारिज मालकागजात में कराकर क्रेता का नाम दर्ज करवायेगा या जो स्वयं दर्ज करवा सकते हैं तथा आवश्यक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे हस्ताक्षर मुद्रा फरीक अखिल से करा सकते हैं, मुद्रा फरीक अखिल को कोई एतराज नहीं होगा ।

Handwritten signature

Attn: Usual Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd

Authorized Signature

CASHIER
TREASURY CHAZIABAD



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

161596

(18)

(10) अतः अब विक्रय पश्चात् विक्रीत भूमि की मलकियत भूमि में निहित हित व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वारिसान विक्रेता का, अब कोई संबंध बाकी नहीं रहा और न कभी रहेगा ।

Handwritten signature/initials

For Usual Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

Handwritten signature
Authorized Signatory

CASHIER &
TREASURY CHAZIABAD



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

H 539446

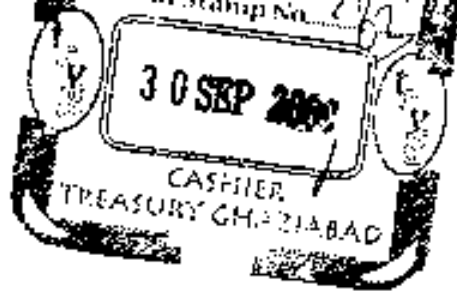
(19)

(11) विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल/विक्रेता की ओर कोई भार निकला ओर निकला हुआ भार क्रेता या स्थानापन को अपने पास से अदा करना पड़ा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या चारिसान विक्रेता की दावेदारी या किसी कानूनी नुक्स आदि से विक्रय भूमि कुल अथवा उसका कोई अंश क्रेता या उसके चारिसान या स्थानापन के कब्जे मालकाना से निष्कल जाये, तो हर ऐसी दशा के उत्पन्न होने पर फरीक अव्वल/ विक्रेता

उत्तर प्रदेश

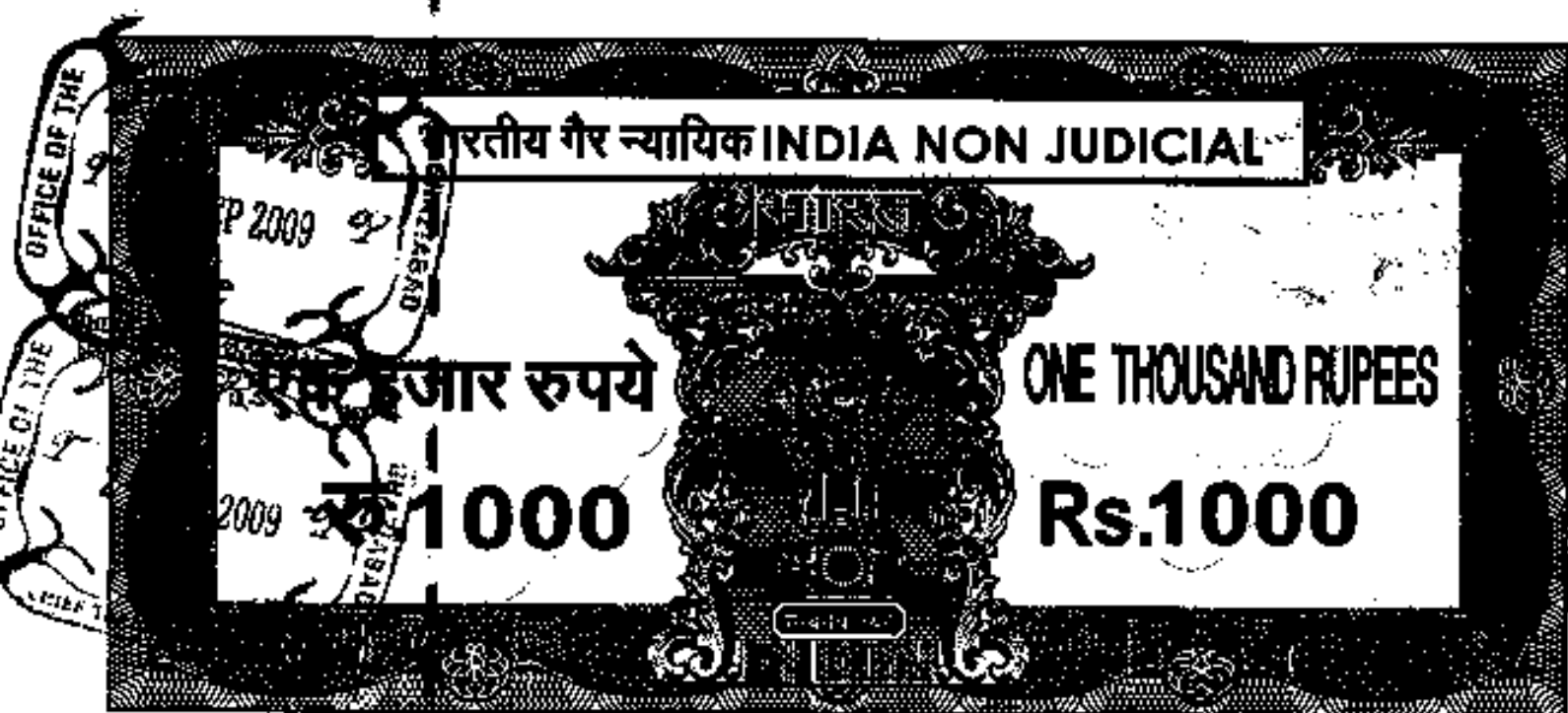
For Usual Ghadke Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

[Signature]
Authorized Signature



Stamp No. 2
30 SEP 2007

CASHIER
TREASURY CHAZIABAD



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

H 539445

(20)

व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे तथा क्रेता व उसके स्थानापन व उत्तराधिकारीगणों को पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से अद्य किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की धनराशी को मय हर्जें खर्चें प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता वारिसान की चल व अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे वसूल करा सकते हैं जिस पर फरीक अव्वल/विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी।

पञ्चप्रसाद

For Usual Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

Authorized Signature





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

H 539444

(21)

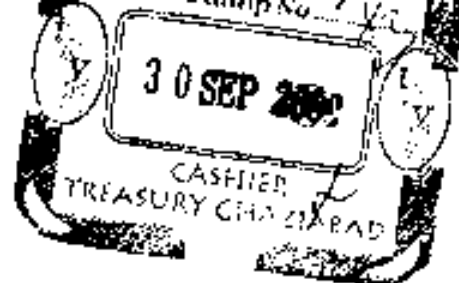
(12) विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने वहन किया है। क्रेता कम्पनी का पैन नं० AAACU7200M है।

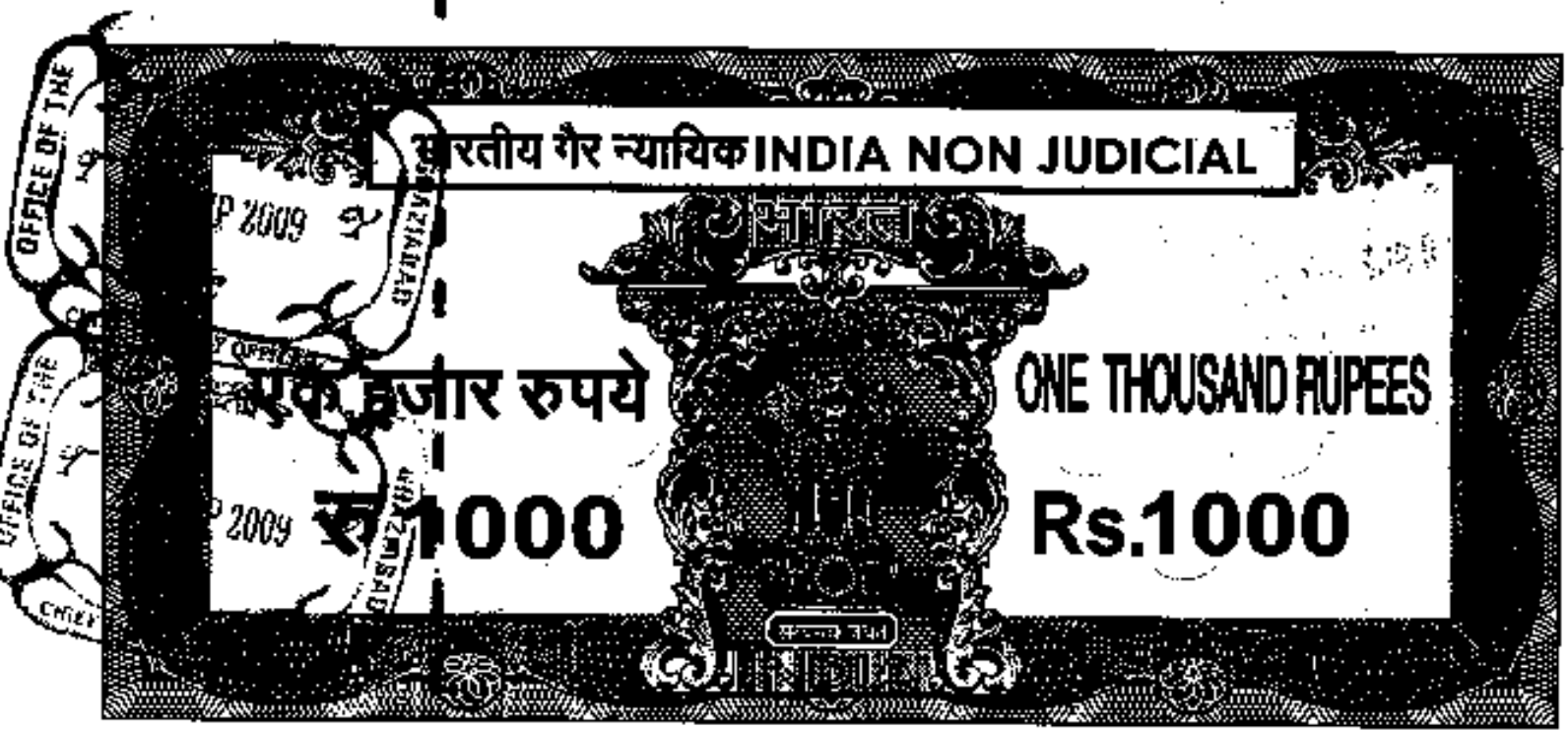
(13) अतः यह विक्रय पत्र खून सोच समझ कर, सुनकर पढ़ कर गवाहों की उपस्थिति में लिख दिया गया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे।

चन्द्रकान्त

For Usual Chaudhary Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

Chaudhary
Authorized Signatory





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

H 539443

(22)

(14) विक्रेता ने विक्रीत भूमि रकबई 0.543166 हैक्टेयर, खाता नं० 34 के खसरा नं० 347 व 345 स्थित ग्राम नायफला परगना डासना तहसील व जिल्ला गाजियाबाद के निमित्त निम्न विवरण के अनुसार विक्रय धनराशी प्राप्त कर ली है:

चन्द्र प्रकाश

For Usual Chadha Hi-Tech Developers Pvt. Ltd.

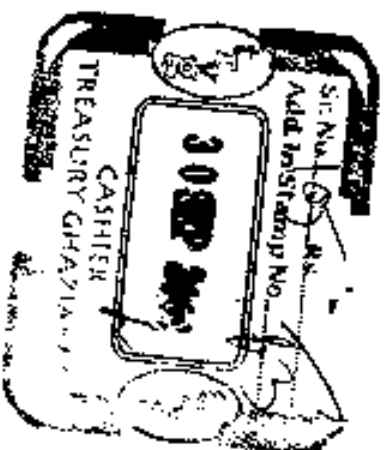
[Signature]

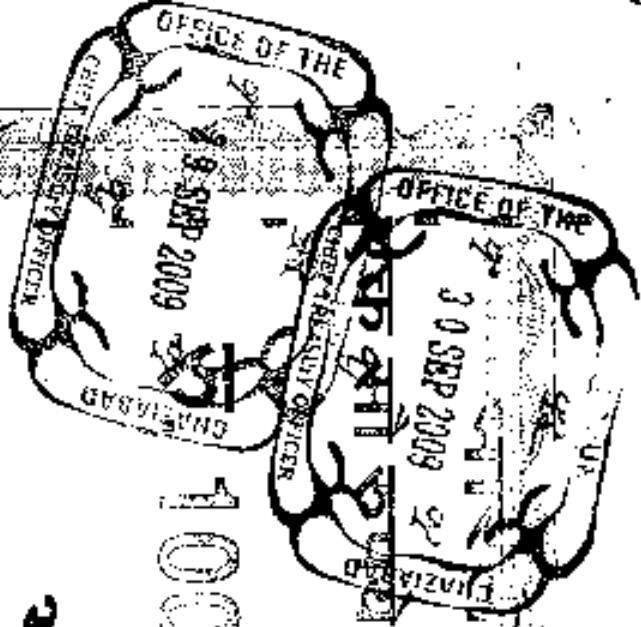
Authorized Signatory



30 SEP 2009

CASHIER
TREASURY GHAZIABAD





100



सत्यमेव जयते

RS. 100
ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AE 116998

(24)

अंतिम रूप से प्राप्त कर लिये गये है।

- रा. प्र. प्र. प्र. प्र. प्र.

New Usual Chaudhri M. Tack Developers Pvt. Ltd.

20/09/09

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा)

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा) Verification

फरीक अम्बल (विश्वेता)

फरीक दोयम (क्रेता)

गवाह नं० 1

विशेष न्यायाधीश उच्च न्यायालय
पि. 10-ई. 2002 न्यायालय कोर्ट ऑफ दिव्यनी

गवाह नं० 2

उपस्थित न्यायाधीश उच्च न्यायालय
पि. 10-ई. 2002 न्यायालय कोर्ट ऑफ दिव्यनी

तहरीर दिनांक : 30.09.2009 मसीदा केमर सिंह एडवोकेट रजिस्ट्रेशन नम्बर
यू० पी० 588/92 दौखर नं० 297, सिविल कोर्ट गजियाबाद ।



22

भजन दिनांक 30/09/2009 को

वर्ग मं 1 जिल्द मं 8041

पृष्ठ मं 187 मे 236 पर कामांक 3808

रफिमा ट्रॉकन क्रिया गवा !


K. K. Singh के 0 सिंह
उप निबन्धक (प्रधान)
गजियाबाद
22/9/2009

[illegible][illegible]

संस्कृत महाविद्यालय, प्रयाग, उत्तरांचल प्रदेश

[illegible]

मि. आर. सु. रि. प. रि.

माया का कोई भी अर्थ नहीं है।

संस्कृत महाविद्यालय, दिल्ली

ग्राम जायपुर परगना होसना तहसील व जिला राजसूत बाबत साल 1/ 1964

श्रीगुरुभ्यो नमः

.....
.....

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाना संख्या ३१०० खसरा नम्बर १५५१३० रकबा ३.२३६० स्थित ग्राम मधुबन परगना Siwan, बरहसील, जिला २२३०१० को बेचना है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) प्रदान करने की कृपा करें।

माता

சென்னை, 15.05.2018

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

उत्तर प्रदेश के अन्य पिछड़े वर्ग के लिए जाति प्रमाण —पत्र (प्राकृप प्रथम)

संख्या : 6387/लेटररी/अर/समादरी/2008/PC-14870

दिनांक : 27/12/2008

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी चन्द्रप्रकाश पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री सुरत सिंह निवासी मकान नम्बर प्रा. नं. 45/200 लोक सेवा) अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण जाति को प्रमाणित है। यह जाति 45/200 लोक सेवा (अनुसूचित जातियाँ अनुसूचित जनजातियाँ) तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम 1984 (यथा संशोधित) को अनुसूची एक के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी चन्द्रप्रकाश पुत्र/पुत्री अधिनियम 1984 (यथा संशोधित) की अनुसूची दो (लेटर के 45/200 लोक सेवा) अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2002 द्वारा संशोधित की गयी है।) से आच्छादित नहीं है। इनके माता पिता की निरन्तर तीन वर्ष की अवधि के लिए एकत्र वार्षिक आय तीन लाख रुपये से इससे अधिक नहीं है तथा इनके पास धन 45 अधिनियम 1957 में दाय. देखिय धुट सीमा से अधिक सम्पत्ति नहीं है।

यह प्रमाण पत्र श्री उमिल कुमार, लेखपाल की आख्या एवं आवेदक द्वारा दिए गए शपथ पत्र के आधार पर जारी किया गया।

स्थान: गोरगुरुद नगर
दिनांक 27/12/2008



पदनाम : तहसीलदार दादरी

जिलाधिकारी / अधिरिक्त जिलाधिकारी / सिटी मजिस्ट्रेट
परगना मजिस्ट्रेट / तहसीलदार / अन्य वेतन भोगी मजिस्ट्रेट
यदि कोई हो / जिला समाज कल्याण अधिकारी।

CERTIFICATE OF SEARCH

Shri Subhash Chandra
has applied to me for a Certificate

Certificate No. 477
Application No. 423/1980

for the purpose of registering an act & encumbrances if any in respect of the undermentioned
Plot No. 349, 345, 342, 341, 340, 339, 338, 337, 336, 335, 334, 333, 332, 331, 330, 329, 328, 327, 326, 325, 324, 323, 322, 321, 320, 319, 318, 317, 316, 315, 314, 313, 312, 311, 310, 309, 308, 307, 306, 305, 304, 303, 302, 301, 300, 299, 298, 297, 296, 295, 294, 293, 292, 291, 290, 289, 288, 287, 286, 285, 284, 283, 282, 281, 280, 279, 278, 277, 276, 275, 274, 273, 272, 271, 270, 269, 268, 267, 266, 265, 264, 263, 262, 261, 260, 259, 258, 257, 256, 255, 254, 253, 252, 251, 250, 249, 248, 247, 246, 245, 244, 243, 242, 241, 240, 239, 238, 237, 236, 235, 234, 233, 232, 231, 230, 229, 228, 227, 226, 225, 224, 223, 222, 221, 220, 219, 218, 217, 216, 215, 214, 213, 212, 211, 210, 209, 208, 207, 206, 205, 204, 203, 202, 201, 200, 199, 198, 197, 196, 195, 194, 193, 192, 191, 190, 189, 188, 187, 186, 185, 184, 183, 182, 181, 180, 179, 178, 177, 176, 175, 174, 173, 172, 171, 170, 169, 168, 167, 166, 165, 164, 163, 162, 161, 160, 159, 158, 157, 156, 155, 154, 153, 152, 151, 150, 149, 148, 147, 146, 145, 144, 143, 142, 141, 140, 139, 138, 137, 136, 135, 134, 133, 132, 131, 130, 129, 128, 127, 126, 125, 124, 123, 122, 121, 120, 119, 118, 117, 116, 115, 114, 113, 112, 111, 110, 109, 108, 107, 106, 105, 104, 103, 102, 101, 100, 99, 98, 97, 96, 95, 94, 93, 92, 91, 90, 89, 88, 87, 86, 85, 84, 83, 82, 81, 80, 79, 78, 77, 76, 75, 74, 73, 72, 71, 70, 69, 68, 67, 66, 65, 64, 63, 62, 61, 60, 59, 58, 57, 56, 55, 54, 53, 52, 51, 50, 49, 48, 47, 46, 45, 44, 43, 42, 41, 40, 39, 38, 37, 36, 35, 34, 33, 32, 31, 30, 29, 28, 27, 26, 25, 24, 23, 22, 21, 20, 19, 18, 17, 16, 15, 14, 13, 12, 11, 10, 9, 8, 7, 6, 5, 4, 3, 2, 1

(To be sealed & described as given in the application)

I hereby certify that search has been made in book I and in the annexed register there in from the year 1980 to the year 1982 for fees and encumbrances affecting the said property and that on such the following facts and circumstances appear :-

Sl. No.	(a) Description of the property is given in the document	Date of acquisition	Tenure & Value of document	Name of the parties Transaction	Reference No. Year
	<u>Search is nil and no encumbrances are found</u>				

Sealed
11x10

I also certify that have been affixed and encumbrances on the act effecting the said prepared have been found prepared by

Office 28/2
Date 20/2
Signature of Registrar
SEAL OF NOTARY

- The act and encumbrance shown in this Certificate are those discovered with reference to the described in registered document in manner different from how in which the applicant has described those transaction evidenced by such document will not be included in the certificate.
- The require search has been made as carefully as possible by office but the department will not be pay account only is self responsible for errors in the result of the search embodied the certificate.
- This certificate does not include document if any which has been presented but have not

TO WHOM IT MAY CONCERN**LEGAL OPINION CUM SEARCH REPORT**

Dear Sir,

I have examined the documents (Khasra, Khatauni and Search Certificate) and old revenue records available regarding the property given below and on basis of documents provided by you. I have prepared a detail report in respect of the property mentioned here in below:-

Sl.No.	Particulars	Response
1.	Name and Address of the owner/s	Chandra Prakash son of Sri. Surat Singh resident of Village- Duryai, Pargana Tehsil-Dadri, Distt.- Gautambuddha Nagar
2.	Respective shares	1/6 share in property
3.	Detail of the property to be acquired	Khata No. 34 Khasra No. 347 Area 3.233 Hect, Khasra No. 345 Area 0.0260 Hect. situated at Vill- Naifal, Pargana- Dasna, Tehsi & Distt- Ghaziabad Sold Area-0.543166 Hect.
4.	Category of tenure holder	Tenure holder has transferable right
5.	Caste	Backward
6.	(i) Charges or lien over the property by Bank etc.	According to khatauni no charges or lien found on sold property.
7.	(ii) Whether NOC/No dues for transfer of land is required (from Mortgaged Bank/ financier/Money Lender, if any)	NOC from U.P. Sahkari Gram Vikas Bank Ltd. Ghaziabad is annexed with file.
8.	Details of Register search in the office of Sub-Registrar.	Search Certificate is not annexed.
9.	Revenue records inspected during investigation:	1) C.H-45 2) Khatauni of fasli year 1386-1391 3) Khatauni of fasli year 1392-1397 4) Khatauni of fasli year 1398-1403 5) Khatauni of fasli year 1404-1409 6) Khatauni of fasli year 1410-1415 7) Khatauni of fasli year 1416-1421
Document	Name endorsed	Khasra No. Khata No. Comments/Order

Office at

25, Salempur House, Qaiserbagh, Lucknow
Mobile No:09335266005, 09336833344, 09311558884

JURIX-PRO

Advocates

CH-45	Surat Singh, Karan Singh, Luttas Singh and Narayan Singh sons of Natthan Singh	141A 347 141B 345	52 164 135	Recorded as Bhumidhar Recorded as Sirdar Recorded as Sirdar
Khatauni fasli year 1386-1391	Surat Singh, Karan Singh, Luttas Singh and Narayan Singh sons of Natthan Singh	141A 347 141B 345	52 164 135	
Khatauni fasli year 1392-1397	Surat Singh, Karan Singh, Luttas Singh and Narayan Singh sons of Natthan Singh	141A 347 141B 345	71 21	Recorded as Bhumidhar Recorded as Bhumidhar
Khatauni fasli year 1398-1403	Surat Singh, Karan Singh, Luttas Singh and Narayan Singh sons of Natthan Singh	141 347 345	73 19	Vide order dated 16.07.93 passed by Tehsildar, in Khata No. 19,73 & 152 after the death of Karan Singh, the name of Surat Singh, Lutas Singh and Narayan Singh sons of Natthan Singh are endorsed in place of Late Karar Singh as his legal heirs Vide order dated 22.09.93 passed by S.K. after the death of Surat Singh, the name of <i>Brahm Prakash</i> and <i>Chandra Prakash</i> sons of Surat Singh are endorsed in place of Late Surat Singh as his legal heirs.
Khatauni fasli year 1404-1409	Brahm Prakash and Chandra Prakash sons of Surat Singh,	141 347 345	..	The name of Dayachand and Prempal sons of Luttas is recorded in place of Luttas.

Office at

25, Salempur House, Qaiserbagh, Lucknow
Mobile No: 09335266005, 09336833344, 09311558884

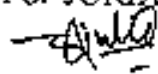
JURIX-PRO

Advocates

	Luttas Singh and Narayan Singh sons of Natthan Singh			
Khatauni fasli year 1410-1415	Brahm Prakash and Chandra Prakash sons of Surat Singh Dayachand and Prempal sons of Luttas, Narayan Singh son of Natthan Singh	141 347 345	103	Vide order dated 18.02.2003 passed by S.K. in Khata No. 103,52 after the death of Narayan Singh the names of Chandra Pal Singh and Surendra Singh sons of Narayan Singh are endorsed as his legal heirs.
Khatauni fasli year 1416-1421	Brahm Prakash and Chandra Prakash sons of Surat Singh, Dayachand and Prempal sons of Luttas, Chandra Pal Singh and Surendra Singh sons of Narayan Singh	141 347 345	34	Vide order dated 23.03.2009 passed by R.I. in Khata No. 34 after the death of Dayachand the names of Pradeep Kumar and Smt. Brajesh Devi son and wife of Dayachand are endorsed as his legal heirs.
10.	Specific comments	As per records available Seller has 1/6 share in property and he wants to sale his full share of Khasra No. 347,345 as per proposal.		
11.	Remarks:	On the basis of the document and records available, the name of the aforesaid owner/s is endorsed in the revenue records and title chain is complete. Seller/s has/have clear, marketable and transferable rights.		

Date :

For-JURIX-PRO


(Ravendra Pratap Singh)
Advocate